भक्तिमार्ग में लक्ष्मी को महादानी दिखाते हैं। महादानी की निशानी

बाबा कहते हैं कि. (लक्ष्मी का हाथ खुला, देने के रूप में दिखाया जाता है) सम्पत्ति झलकती रहती है।

1 यह शक्तियों का यादगार है। लक्ष्मी अर्थात् सम्पत्ति की देवी।

2 वह स्थूल सम्पत्ति नहीं, नॉलेज की सम्पत्ति, शक्तियों रूपी सम्पत्ति की देवी अर्थात् देने वाली।

3 तो जो यह चित्र बनाया है, ऐसी सम्पत्ति की देवी बनना है।

25.01.76

अव्यक्त पालना का रिटर्न

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न : मीठे बाबा, चाहे नॉलेज देवे, चाहे शक्तियाँ देवे। ऐसा जो यादगार चित्र है, चेतन में अपने को ऐसा अनुभव करने के लिए बाबाआप क्या समझानी देंगे?

उत्तर : मीठे बच्चे, इसी प्रमाण यादगार में भी नम्बर हैं। कोई हर समय देने वाले होते है।

1. एक सेकेण्ड भी कोई आपके सामने आवे तो भी दृष्टि से ऐसा अनुभव करे कि मैंने कुछ पाया है।
2. तब कहेंगे देने वाली देवी। अब चाहिये यह सर्विस, तब ही विश्व का कल्याण होगा।
3. इतनी सभी आत्माओं को देना तो ज़रूर है, तो हमारा देने का स्वरूप सूक्ष्म और अति शक्तिशाली हो।

25.01.76

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा, सदा आपके साथ का अनुभव करने वाली आत्माओं के बारे में कुछ बताइये ।

बापदादा :- मीठे बच्चे,

❋ जो सदा साथ का अनुभव करेंगे, वे कभी किसी देहधारी के साथ की आवश्यकता अनुभव नहीं करेंगे।

❋ कभी भी किसी सेवा में देहधारी का आधार नहीं लेंगे।

❋ मर्यादा प्रमाण, संगठन प्रमाण सहयोग लेना अलग बात है।

❋ बाकी किसी परिस्थिति में देहधारी की याद आये कि यह मुझे परिस्थिति से पार करेंगे, राय देंगे या सहारा देंगे।

❋ इससे सिद्ध है कि सर्वशक्तिवान् का सहारा सदा साथ नहीं रहता।

25.01.76

भक्तिमार्ग मे लक्ष्मी को महादानी दिखाते है तो महादानी की निशानी कौन-सी दिखाते है? बाबा कहते है ->

25-1-76
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु

1) (लक्ष्मी का हाथ खुला, देने के रूप मे दिखाया है)

1) यह शक्तियों की यादगार है लक्ष्मी अर्थात् सम्पत्ती की देवी

2) यह स्थूल सम्पत्ति नही, नॉलेज की सम्पत्ति, शक्तियो रूपी सम्पत्ती की देवी अर्थात देनेवाली

3) तो जो यह चित्र बनाया है ऐसी ->

सम्पत्ती की देवी बनना है

25-01-76 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं लक्ष्मी हूँ।

लक्ष्मी अर्थात् नॉलेज की सम्पत्ति, शक्तियों रूपी सम्पत्ति देने वाली।सदा साथियों के साथ स्नेह का साथ निभाने वाली।

25-01-76

डबल लाइट स्वरूप बनो

यह शक्तियों का यादगार है। लक्ष्मी अर्थात् सम्पत्ति की देवी। वह स्थूल सम्पत्ति नहीं, नॉलेज की सम्पत्ति शक्तियों रूपी सम्पति की देवी अर्थात् ! देने वाली।

देने वाली देवी

साथी

एक सेकेण्ड भी कोई आपके सामने आवे तो भी दृष्टि से ऐसे अनुभव करे कि मैंने कुछ पाया है।

अपने को सदा बाप-दादा के साथ अनुभव करते हो ?